संकल्प की शपथ (Oath of Manifestation)

मैं अप्रत्याशित भलाई, अप्रत्याशित धन, अप्रत्याशित प्रेम, अप्रत्याशित दया, अप्रत्याशित उदारता, अप्रत्याशित प्रस्ताव और अप्रत्याशित समृद्धि को स्वीकार करता/करती हूँ, जो मेरे जीवन और दूसरों के जीवन में अप्रत्याशित तरीकों और स्थानों से आती है।

मैं निरंतर मार्गदर्शित और सशक्त हूँ कि ब्रह्मांड की अपार समृद्धि को ग्रहण कर सकूँ।

मैं इस सिद्धांत को स्वीकार करता/करती हूँ कि समृद्धि और प्रचुरता मुझे पहले ही प्रदान की जा चुकी है। मेरा स्वीकार करना इसे वास्तविक बनाता है और प्रकट होने के लिए स्थान खोल देता है।

मैं अपनी चेतना के द्वार पूरी तरह खोलता/खोलती हूँ—प्राप्त करने और देने के लिए।

यह अब पूर्ण हो चुका है।

इस संकल्प की शपथ के माध्यम से सब कुछ संभव है।

मैं पूर्ण विश्वास के साथ घोषणा करता/करती हूँ कि मैं एक मैत्रीपूर्ण ब्रह्मांड में जीता/जीती हूँ जो सदैव मेरी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

मैं इसे अभी, इसी क्षण शक्तिशाली रूप से घटित होते हुए महसूस करता/करती हूँ।

मैं पहले से अधिक प्रचुरता प्राप्त करने और देने के लिए खुला/खुली हूँ।

मैं अपनी हर इच्छा पूरी करने में समर्थ हूँ।

वास्तव में, मैं इतना समृद्ध हूँ कि मुझे फिर कभी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

मैं अपने पास जो कुछ है उसके लिए आभारी हूँ और देने की क्षमता के लिए भी आभा

मैं परिस्थितियाँ कैसी भी हों, स्वयं को उच्च चेतना में स्थिर रखता/रखती हूँ।

ईश्वर ही सब कुछ है।

ईश्वर के शुभ समय का स्वागत है।

और ऐसा ही है।

(इस शपथ को प्रतिदिन एक बार—कभी भी, कहीं भी पढ़ें।)